वर्ष 3, अंक 3 : जुलाई - सितंबर 2017

एमसीयू समाचार

केवल आंतरिक प्रसार हेतु

MCU NEWS

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
की त्रैमासिक गृहपत्रिका

www.mcu.ac.in पर भी उपलब्ध

पूरी दुनिया में प्रकाश बांटने के लिए चुने जाते हैं विद्यार्थी

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित श्री कैलाश सत्यार्थी ने विद्यार्थियों से कहा, प्रिय विद्यार्थियो गुरुकुल में आपका पहला प्रवेश जानने की शुरूआत है और यहां विद्यार्थी पूरी दुनिया में प्रकाश बांटने के लिए चुने जाते हैं। लेकिन आप अहंकार के साथ कुछ नहीं सीख सकते, कुछ सीखने के लिए अहंकार छोड़ना जरूरी है।

सत्रारंभ 2017

बाल अधिकार कार्यकर्ता श्री सत्यार्थी एमसीयू के सत्रारंभ 2017 में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। 27 अगस्त को आयोजित तीन दिवसीय सत्रारंभ में श्री सत्यार्थी ने कहा, कलम की ताकत बहुत बड़ी होती है, एक बार बोला और लिखा शब्द अनंत का हिस्सा बनता है। पत्रकारिता की ताकत का प्रयोग करके पिछड़े और वंचित समाज की आवाज को उठाना चाहिए। उन्होंने मीडिया के विद्यार्थियों को चेतावनी दी कि जो ताली बजाने में भरोसा रखते हैं वे इतिहास नहीं बनाया करते। इतिहास की रचना वे करते हैं जो बेखौफ रिंग में कूद जाया करते हैं। उन्होंने कहा, गुस्सा होना सीखिए। गुस्सा एक ताकत है, परिवर्तन की आग है। यदि गुस्सा अन्याय के खिलाफ है तो परिवर्तनकारी और इतिहास बनाने वाला है। इतिहास दस्तक दे रहा है, बुराई के खिलाफ आवाज उठाइए, चुप्पी तोड़िए। भयमुक्त भारत का संकल्प करिए।

सत्रारंभ नई सोच,नए मोड़ का प्रारंभ

विश्वविद्यालय सत्रारंभ के समापन अवसर पर एमसीयू के कुलपति प्रो. बृजकिशोर कुठियाला ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपने ऐसे देश में जन्म लिया है जिसकी सभ्यता और संस्कृति कई हजार वर्ष पुरानी है। आज अमेरिका और रूस के वैज्ञानिक भी यह कहते हैं कि वैदिक सभ्यता का इतिहास कम से कम 7000 वर्ष पुराना है। प्रो. कुठियाला ने कहा, विद्यार्थियो, आपको एक ऐसी विरासत मिली है जो अन्य किसी देश के पास नहीं है। आपके पास वेद, पुराण जैसे हजारों ग्रंथ हैं जिसमें अणु एवं परमाणु विस्फोट तक की व्याख्या है। जीवन कैसा होना चाहिए, जीवन से पहले क्या और जीवन के बाद क्या? यह ज्ञान आपके पास सहज रूप से उपलब्ध है, जो दूसरे देशों के पास नहीं। अमेरिक सहित यूरोप के कई देश भारतीय संस्कृति को समझने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर विभाग खोल चुके हैं, ताकि वे जान सकें कि आखिरकार भारत की प्राचीन सभ्यता क्या थी और आज भी जिंदा क्यों है। मीडिया नवांकुरों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कुलपति प्रो. कुठियाला ने कहा, विद्यार्थियों यह सत्रारंभ एक नई सोच, नए मोड़ का प्रारंभ है, अभी से तय करना होगा कि आपके जीवन का उद्देश्य क्या होना चाहिए।

inside
भाषा संस्कृति की वाहक . . . . . भविष्य भारत के युवाओं का है
संस्कृत सबसे अधिक वैज्ञानिक भाषा
समीक्षा : न भूलेंगे-न बिसरेंगे

सत्रारंभ 2017

विद्यार्थियों से फिल्म मेकिंग और टीवी न्यूज के भविष्य पर संवाद

श्री सईद अंसारी

शांति के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित दुनिया के जाने–माने बाल अधिकार कार्यकर्ता श्री कैलाश सत्यार्थी ने एमसीयू के तीन दिवसीय 'सत्रारंभ 2017' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बृज किशोर कुठियाला ने कहा कि श्री कैलाश सत्यार्थी जैसे कर्मठ समाज सेवी के ओजमयी जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षा की शुरूआत अच्छी है।

पहले दिन टीवी चैनल के लोकप्रिय एंकर श्री सईद अंसारी ने टीवी न्यूज के भविष्य पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। श्री सईद ने बताया कि टेलीविजन पत्रकारिता का उज्जवल भविष्य केवल नेशनल न्यूज चैनल्स में ही नहीं है बल्कि रीजनल न्यूज चैनल्स में भी है। यहां रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। अगले सत्र में फिल्म निर्माण के लिए विश्व स्तर पर कई सम्मान प्राप्त श्री सुदीप्तो सेन ने कहा फिल्म मेकिंग कोई कॅरियर नहीं है, यह एक कला है। श्री सेन ने कहा, मैं जो बोलना चाहता हूं क्या वो दूसरे सुनना चाहते हैं? यदि इसकी समझ हो तो आप सिनेमा बना सकते हैं।

चौथे सत्र में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी ने विश्वविद्यालय के इतिहास व विकास पर दृष्टि डाली। पारस्परिक संबंधों पर पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ. राखी तिवारी ने जानकारी दी। जनसम्पर्क विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्रवेश, अनुशासन और रैगिंग विषय पर जानकारी दी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश पाठक ने परीक्षा से जुड़ी जानकारियों को विद्यार्थियों से साझा किया।

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के सत्रारंभ में विद्वानों का समागम

विद्यार्थी जितना पढ़ेंगे उतना ही खुद को गढ़ेंगे

सत्रारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन विद्वान वक्ताओं ने नवोदित विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि इस क्षेत्र में पढ़ना बहुत जरूरी है आप जितना पढ़ेंगे उतना ही खुद को गढ़ेंगे। हम राष्ट्र का निर्माण चाहते हैं तो पहले हमें व्यक्ति का निर्माण करना होगा।

सत्रारंभ समारोह के दूसरे दिन के पहले सत्र में अपराध और पत्रकारिता विषय पर प्रख्यात पत्रकार श्री विवेक अग्रवाल ने कहा, मीडिया फील्ड में ध्यान रखें, खबर से संबंधित सभी तरह की जानकारी एवं उसकी प्रमाणिकता को पुख्ता करके ही समाचार जारी करें। दूसरे सत्र में सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले स्वामी धर्मबंधु ने उद्बोधन में कहा, जो भारत कभी विश्व गुरु हुआ करता था, उसी भारत को आज फिर से उदयीमान होने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है ?

सत्रारंभ को संबोधित करते सामाजिक कार्यकर्ता व चिंतक स्वामी धर्मबंधु

श्री धर्मबंधु ने कहा, भारत विश्वगुरु था, विश्वगुरु है और आगे भी विश्वगुरु रहने की असीम संभावनाएं हैं। तीसरे सत्र में समय प्रबंधन विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. विजय अग्रवाल ने कहा कि अगर किसी चीज के लिए समय प्रबंधन नहीं कर पा रहे हैं तो इसका सीधा अर्थ यह है कि आपको उस काम में मजा नहीं आ रहा है। जिसने भी समय का सही इस्तेमाल किया वो अपने जीवन में बहुत आगे बढ़ा। राष्ट्रनिर्माण में युवा' विषय पर चौथे सत्र में अपने उद्बोधन में साध्वी मंदाकिनी दीदी ने कहा, सफलता की इस होड़ में प्राणलेवा संघर्ष जारी है। उन्होंने कहा, अगर हम राष्ट्र का निर्माण चाहते हैं तो पहले हमें व्यक्ति का निर्माण करना होगा।

सोशल मीडिया पर फेक न्यूज से बचें

सत्रारंभ के तीसरे दिन विद्वानों के विचार सत्रारंभ की परिकल्पना यहां है, वैसी किसी और पत्रकारिता के संस्थान में देखने को नहीं मिलती।

वेब दुनिया के ख्यात विद्वान जयदीप कर्णिक ने मीडिया के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, डिजिटल के द्वारा आप अपने ब्लॉग, यू ट्यूब चैनल के माध्यम से भी पत्रकारिता शुरू कर सकते हैं।

देश के प्रख्यात मीडिया विशेषज्ञ व शोधकर्ता प्रो. पी. जे. मार्टिन ने अपने सत्र में विद्यार्थियों को यूनिर्वसल डिजाइन इन डिजिटल मीडिया से सम्बंधित रोचक जानकारी दी। संकेत भाषा और मल्टी डिजाइनिंग में उभरते कॅरियर से विद्यार्थियों को परिचित कराया। तीसरे सत्र में डिजीटल मीडिया और युवा विषय पर भास्कर डॉट कॉम के समूह संपादक अनुज खरे ने संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि सोशल मीडिया पर फेक न्यूज से सदैव बचें। वहीं जी टीवी डिजिटल के संपादक श्री दयाशंकर मिश्र ने कहा कि डिजिटल के द्वारा किसी खबर को जल्दी से जल्दी भेजना या ग्रहण करना बेहद गलत है। यह समझ होना बहुत जरूरी है कि इस तकनीक का सही इस्तेमाल कैसे किया जाए।

तीसरे दिन के अंतिम सत्र में पुलिस और मीडिया पर विद्यार्थियों से संवाद करते हुए आईपीएस अधिकारी श्रीमती अनुराधा शंकर ने कहा कि पुलिस और मीडिया में आपस में बहुत सारी समानताएँ हैं। पुलिस का काम समाज को सुरक्षा की सेवा देना है और पत्रकारिता का काम समाज के अंदर पलने वाले अपराध को उजागर करना। सत्रारंभ के समापन अवसर पर कुलपति प्रो. बृजकिशोर कुठियाला, कुलाधिसचिव श्री लाजपत आहूजा, कुलसचिव श्री दीपक शर्मा सहित सभी शिक्षकों ने नवागत विद्यार्थियों को सफल जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

अमृत–प्रसंग

प्रकृति का वरदान है अमरनाथ गुफा : प्रो. कुठियाला

"अमरनाथ गुफा प्रकृति का वरदान है और यह एक चोटी पर स्थित है। दुनियाभर में बर्फ के कारण बना इस तरह का दृश्य कहीं भी देखने में नहीं आता जिसमें शिवलिंग बना हो। चारधाम यात्रा की यह लोक परंपरा ऐसी आस्था में बदल गई है कि यह लोगों के जीवन का उद्देश्य बन गई है।"

अमृत प्रसंग कार्यक्रम में कुलपति प्रो. कुठियाला ने अपनी अमरनाथ यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रकृति में सब पूर्व नियोजित होता है। उनकी यह यात्रा भी पूर्व नियोजित थी। यात्रा पर जाने की कोई योजना न होते हुए भी संयोग ऐसे बनते गये और एक दुर्गम यात्रा पूर्ण हो गई।

अमरनाथ यात्रा से लौटने के उपलक्ष्य में कुलपति प्रो. बृजकिशोर कुठियाला के अभिनंदन के लिए एक अगस्त को एमसीयू में अमृत प्रसंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर एमसीयू के सभी शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रो. कुठियाला का आत्मिक अभिनंदन किया। अमृत प्रसंग में अपने उद्‌बोधन में प्रो. कुठियाला ने कहा कि भारतवर्ष में दो हजार वर्षों से ज्यादा समय से चल रही चारधाम की यात्रा की यह लोक परंपरा ऐसी आस्था में बदल गई है कि यह लोगों के जीवन का उद्देश्य बन गई है। प्रो. कुठियाला ने बताया कि जब वे अमरनाथ पहुंचे थे, उसके दो दिन पूर्व ही आतंकवादियों ने गुजरात की बस को निशाना बनाया था। लेकिन भारतीय सेना और केन्द्रीय बल के जवानों की सजगता के कारण आतंकवादी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाते।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिसचिव श्री लाजपत आहूजा, कुलसचिव श्री दीपक शर्मा, विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव, प्रो. पी. शशिकला, डॉ. राखी तिवारी, प्रो. चैतन्य पी. अग्रवाल, डॉ. मोनिका वर्मा, प्रो. अविनाश वाजपेयी, प्रो. कंचन भाटिया, डॉ. राजेश पाठक सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी ने किया।

हिन्दी दिवस प्रसंग

भाषा संस्कृति की वाहक : डॉ. नरेन्द्र कोहली

"डॉ. कोहली ने कहा कि तुर्क, अरबी और अफगानी हमलावरों ने तक्षशिला एवं नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों को जलाकर भोजन पकाया। पुस्तकों के नष्ट होने से हमारा ज्ञान राख में मिल गया। सोच-विचार कर यह हमारे ज्ञान और भाषा को समाप्त करने के लिए किया गया था। संस्कृत भाषा हमसे छीन ली गई, जिसके कारण संस्कृत में रचा गया ज्ञान-विज्ञान हमसे छिन गया।"

प्रख्यात साहित्यकार डॉ. नरेन्द्र कोहली ने कहा कि मातृभाषा हिंदी के प्रति हीनता का भाव होने के कारण हम भारत की प्राचीन ज्ञान विरासत से अलग हो रहे हैं। जब तक कोई मजबूरी न हो, तब तक देवनागरी लिपि में ही हिंदी लिखें और अपनी भाषा को विकृत न होने दें।

एमसीयू में 13 सितंबर को आयोजित हिंदी दिवस प्रसंग पर विशेष व्याख्यान में डॉ. कोहली ने हिंदी भाषा के प्रति भारतीयों के व्यवहार को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा, हमने यह मान लिया है कि भारत में कुछ है ही नहीं या फिर जो कुछ है, वह निम्न कोटि का है। इस मानसिकता के कारण हम अपनी भाषा से ही नहीं, वरन भारतीयता से भी विमुख हो गए हैं। डॉ. कोहली ने कहा, हमें संकल्प करना चाहिए कि अपनी भाषा से प्रेम करेंगे, सम्मान करेंगे और उसे विकृत नहीं होने देंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने कहा कि भाषा और विचार के क्षेत्र में जनसंचार माध्यमों को समाज को दिशा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश हित में अंग्रेजी और अंग्रेजियत से छुटकारा पाना है तो उसके लिए हिंदी और हिंदीपन को लाना होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव दीपक शर्मा, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

सूचनाओं का विश्लेषण करना ही सही पत्रकारिता

देश के जाने–माने व्यवहार वैज्ञानिक व चिंतक डॉ. अजय शुक्ला ने कहा कि पूरी दुनिया में इस समय इमोशनल ब्लैकमेलिंग का खेल चल रहा है जबकि जरूरत इमोशनल इंटेलिजेंस की है। राजनीति, सिनेमा, मीडिया, समाज सभी जगह लोगों को इमोशनल ब्लैकमेल किया जा रहा है। इसे समय रहते रोकना बेहद जरूरी है।

डॉ. शुक्ला 8 सितम्बर को इंक मीडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, सागर में व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकार का काम केवल सूचनाओं का स्थानांतरण करना नहीं है। बल्कि सही विश्लेषण और समीक्षा कर पाठक के समक्ष प्रस्तुत करना है। प्रयास करें कि किसी भी घटना के केवल तटस्थ दर्शक न रहें, बल्कि उससे गहरा जुड़ाव भी रखें, तभी आपकी रिपोर्ट में सजीवता आएगी। उन्होंने आध्यात्मिक संचार को भी शिक्षा से जोड़कर समझाया।

इंक मीडिया इंस्टीट्यूट के एक अन्य कार्यक्रम में पाठक मंच की 46वीं मासिक समीक्षा गोष्ठी में लेखक रवींद्र भट द्वारा स्वातंत्र्य वीर, विनायक दामोदर सावरकर की क्रांति वीरता पर मराठी भाषा में लिखित व डॉ. प्रतिभा गुर्जर द्वारा हिन्दी में रूपांतरित उपन्यास, 'समंदर–प्राण अकुलाया' पर डॉ. जीएल दुबे ने समीक्षा आलेख प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. दुबे ने वीर सावरकर के भारत की आजादी के लिए किए गए संघर्ष और उनको अंग्रेजों द्वारा दी गईं यातनाओं का वर्णन किया। संगोष्ठी में श्री उमाकांत मिश्र, श्री अंबिका यादव, डॉ. आशीष, शिवरतन यादव, डॉ. जीआर साक्षी, श्री हरि सिंह ठाकुर, श्री किशन लाल पाहवा, डॉ. श्याम मनोहर सिरोठिया, श्री आलोक राज जैन, आशीष ज्योतिषी, कपिल बैसाखिया, हरि नारायण शुक्ला, संतोष पाठक, मुकेश तिवारी, अतुल श्रीवास्तव, अमित साक्षी, आयुषी सिंह चौहान, भूपेंद्र राज, जीवन रिंकू राज, रामस्वरूप दुबे सहित अनेक लोग मौजूद थे।

नवागत विद्यार्थियों के साथ मना हिन्दी दिवस

शहडोल स्थित राजीव गांधी संस्थान मे नवागत विद्यार्थियों का स्वागत समारोह 6 सितम्बर को आयोजित किया गया। नए सत्र मे प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर किया गया। कार्यक्रम में संस्था के संचालक श्री सतेन्द्र सोनी, प्रशासनिक अधिकारी शान्ति खेमका, रूपाली सोनी, मोनिका राजवानी, हिना सिंह, सुप्रिया द्विवेदी, पूर्वी तिवारी सहित अनेक विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

14 सितम्बर हिन्दी दिवस के अवसर पर राजीव गांधी इंस्टीट्यूट मे एक अन्य कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थी परिषद के संभागीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र नामदेव ने हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. दिलीप तिवारी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि सतेन्द्र सोनी ने कहा कि वह दिन दूर नही जब हिन्दी वैश्विक भाषा बनेगी। इस अवसर पर 'वैश्विक हिन्दी भाषा एवं भाषाओं की विविधता' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अपूर्वा अनुप्रिया ने और द्वितीय प्रगति सिंह ने तथा सुकेता सोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

छात्राओं ने रक्षा सूत्र बांधकर दिलाया नशा न करने का संकल्प

केवलारी जनपद के युनिवर्सल कम्प्यूटर कॉलेज में 10 अगस्त को पत्रकार सुजान बघेल प्रांतीय कार्य समिति द्वारा नशा बंदी जागरूकता अभियान के संकल्प के साथ रक्षा बधंन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर रक्षा सूत्र बंधन के महत्व और विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुये वक्ताओं ने कहा कि इस पर्व मे बहनें भाईयों को रक्षा सूत्र बांधकर उनसे अपनी सुरक्षा का संकल्प लेती हैं, परंतु अब बहनों को भी अपने भाइयों की चिंता है कि वे नशे से सदैव दूर रहें। इस मौके पर अध्ययनरत छात्राओं ने छात्रों को रक्षा सूत्र बांधा और छात्रों से नशाबंदी अभियान में सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। आयोजन में विद्यालय के संचालक विजय राय, ओमकार जंघेला सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

संकल्प से सिद्धि की ओर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश के नाम उद्बोधन 'संकल्प से सिद्धी की ओर' का सीधा प्रसारण शुभम एकेडमी, शुजालपुर के सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप देखा। पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष व स्वामी विवेकानन्द के शिकागो उद्बोधन के 125वें वर्ष के अवसर पर आयोजित इस प्रसारण में विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को गहराई से समझा और श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए संकल्प लिया।

गणेश उत्सव की धूम

नीमच स्थित जावद इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नॉलॉजी, ने गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया। परिसर में भगवान गणेश की सुन्दर झांकी सजाई गई और इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गायन और नृत्य के साथ रंगारंग प्रस्तुति देकर सबका हृदय जीत लिया। इस मौके पर शिक्षकों, कर्मचारियों, और विद्यार्थियों के साथ आम जनता ने भी बढ़–चढ़कर भाग लिया।

वृक्षारोपण के साथ शिक्षा सत्रारंभ

गंजबासौदा स्थित मीडिया कम्प्यूटर कॉलेज में शिक्षा सत्र का शुभारंभ वृक्षा रोपण के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ गड्ढे खोद कर करीब 25 फलदार पौधे लगाए साथ ही उनके वृक्ष बनने तक देख–रेख की जिम्मेदारी भी ली।

शिक्षकों ने पर्यावरण सरंक्षण के महत्व को बताते हुए विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने जीवन में एक पौधा अवश्य लगाएं। पौध रोपण कर उसकी देख–रेख तब तक की जानी चाहिए जब तक कि वह वृक्ष न बन जाए।

शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

एक अन्य कार्यक्रम में मीडिया कम्प्यूटर कालेज में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 1999 में हुए कारगिल युद्ध में शहीद वीर सैनिकों को नमन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था के शिक्षक अखिलेश दांगी ने शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री दांगी ने बताया कि 'कारगिल विजय दिवस' प्रति वर्ष 26 जुलाई को उन शहीदों की याद में मनाया जाता है जिन्होंने कारगिल युद्ध में देश के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया था। इस अवसर पर कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नोएडा परिसर : संगोष्ठी

पाकिस्तान का निर्माण : ब्रिटेन की मध्य-पूर्व रणनीति का हिस्सा

विद्वानों के विचार– कांग्रेस पार्टी की कार्यकारिणी के प्रस्ताव के अनुरूप 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नारा बुलंद हुआ, हालांकि पार्टी के अंदर ही बहुत गतिरोध था। इस संकल्प में यह ताकत थी कि अगले पांच वर्षों में भारत आजाद हो गया। अब भारत के युवाओं को अखंड भारत का संकल्प लेना चाहिए।

एमसीयू के नोएडा परिसर में दो दिवसीय सत्रारंभ कार्यक्रम के पहले दिन 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में 'न्यू इंडिया : भारत छोड़ो से भारत जोड़ो की यात्रा' व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री रामबहादुर राय ने अपने उद्बोधन में कहा कि 9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए विवश करने का श्रेय दूरदृष्टा महात्मा गांधी को जाता है। तत्कालीन वैश्विक परिस्थितियों में कांग्रेस के भीतर आंदोलन को लेकर द्वंद था। स्पष्टता थी तो केवल महात्मा गांधी, राजेन्द्र प्रसाद, आचार्य कृपलानी और सुभाष चंद्र बोस के पास।

श्री राय ने विद्यार्थियों को भारत–पाकिस्तान विभाजन के इतिहास की बारीकियों को समझाते हुए कहा कि हमें भारत विभाजन को मुसलमानों की मांग तथा जिन्ना की जिद के रूप में नहीं देखना चाहिए। दरअसल हमें इस तथ्य पर गौर करना चाहिए कि पाकिस्तान का निर्माण ब्रिटेन की मध्य–पूर्व रणनीति का हिस्सा था। श्री राय ने कहा कि वह समय आ गया है कि हमें भारत को फिर से अखण्ड भारत में बदलना होगा। इसके पूर्व एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक जगमोहन सिंह राजपूत, प्रकाशन विभाग के संयुक्त सचिव राजेंद्र भट्ट और

वरिष्ठ पत्रकार आलोक वर्मा ने पत्रकारिता में नयी तकनीक के प्रति सजगता और अच्छी तैयारी के महत्व को रेखांकित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीके कुठियाला ने सभागार में मौजूद विद्यार्थियों, शिक्षकों और अधिकारियों को नए भारत के निर्माण की शपथ दिलायी।

नोएडा परिसर : सत्रारंभ

चुनौतियों को पहचानें, भविष्य भारत के युवाओं का है

एमसीयू, नोएडा परिसर के सत्रारंभ के दूसरे दिवस राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष श्री बलदेवभाई शर्मा ने कहा कि सफलता की पहली बुनियाद सकारात्मक सोच है। सकारात्मक मानस के बगैर अर्जुन जैसा धनुर्धारी योद्धा भी कांपने लगता है। नवागत विद्यार्थियों को पत्रकारिता की चुनौतियों और दायित्व को समझाते हुए श्री शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक की गंभीर चुनौतियां हैं, यदि इन्हें पहचानकर पार कर लिया तो कामयाब होना मुश्किल नहीं।

9 अगस्त को आयोजित सत्रारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कुलपति प्रो. बृजकिशोर कुठियाला ने कहा, दुनिया में सबसे बड़ी युवा शक्ति भारत के पास है। भारत एक समय बेहतर शिक्षा, संवेदना, समृद्धि, अध्यात्म में ऊँचाइयों पर था। हमें उस ऊंचाई को फिर से हासिल करना होगा किंतु सवाल यह है कि क्या हम इसके लिए तैयार हैं। यह सब महज नारे से नहीं बल्कि शुभ संकल्प, सकारात्मकता और कठिन श्रम से संभव होगा। सत्रारंभ कार्यक्रम में एमसीयू के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष संजय द्विवेदी ने कहा कि सूचना माध्यमों की बहुलता में भटकाव संभव है। ऐसे में नयी पीढ़ी में तमाम आधुनिकताओं के साथ स्वतंत्र चेतना का विकसित होना बहुत जरूरी है।

पंजाब केसरी समूह के कार्यकारी समूह संपादक अकु श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार व नवभारत टाइम्स के पूर्व संपादक रामकृपाल सिंह, हाईवे कम्युनिकेशन के सीईओ तथा मीडिया विश्लेषक सुशील पंडित और काउंसिल फॉर रिसर्च एंड सोशल डवलपमेंट के पूर्व डायरेक्टर प्रो. बी.एस. नागी ने भी विद्यार्थियों को कैरियर की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी।

यूजीसी समिति के अध्यक्ष बने प्रो. बृज किशोर कुठियाला

एमसीयू के कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने हाल में गठित एक समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह समिति दिल्ली स्थित भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा देने के लिए विचार करेगी। प्रो. कुठियाला की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय समिति आईआईएमसी को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा देने के प्रस्ताव का अध्ययन करेगी और उसके बाद यूजीसी को अपनी अनुशंसा सौंपेगी। कुलपति प्रो. कुठियाला को यूजीसी की समिति का अध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अधिकारियों ने बधाई देते हुए प्रसन्नता जाहिर की है।

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

संगोष्ठी

ध्वनि की दृष्टि से संस्कृत सबसे अधिक वैज्ञानिक भाषा

संस्कृत देश की आत्मा है, यदि संस्कृत को समाप्त कर दिया जाए तो भारत की प्रायः सभी भाषाएं समाप्त हो जाएंगी। भारतीय भाषाओं के जीवन के लिए संस्कृत की आवश्यकता है। यह विचार संस्कृत के विद्वान डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय ने व्यक्त किए।

4 अगस्त को एमसीयू में 'आधुनिक समय में संस्कृत का महत्त्व' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय ने कहा दुनिया में जितने भी सशक्त और विकसित देश हैं, उन्होंने अपनी भाषा को नहीं छोड़ा। उनके विकास का सबसे बड़ा कारण ही भाषा है। भाषा सिर्फ शब्द भंडार और व्याकरण मात्र नहीं होती,यह किसी भी देश की संस्कृति की पहचान होती है। हम भारतीय तो भाषा विज्ञान की उस परंपरा से आते हैं, जिसमें शब्द को ब्रह्म माना जाता है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. पाण्डेय ने कहा कि अभी ध्वनि विज्ञान पर शोध आया है, जिसमें दुनिया के विद्वानों ने माना है कि ध्वनि की दृष्टि से संस्कृत सबसे अधिक वैज्ञानिक भाषा है। उन्होंने बताया कि हमें यदि भारत का मूल देखना है तब हम कहाँ जाएंगे? भारत को समझने के लिए संस्कृत के अलावा कोई अन्य माध्यम नहीं है।

डॉ. पाण्डेय ने कहा कि वह पेड़ ही आसमान को छूता है, जिसकी जड़ें गहरी और मजबूत होती हैं। यही नियम मनुष्य, परिवार, समाज और देश पर लागू होता है। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे कुलाधिसचिव श्री लाजपत आहूजा ने कहा कि भले ही हमारे यहाँ संस्कृत की उपेक्षा की जा रही है, लेकिन दुनिया संस्कृत सीखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामोफोन पर जब पहली बार रिकॉर्डिंग हुई तब प्रो. मैक्समूलर ने ऋग्वेद के पहले श्लोक को रिकॉर्ड कराया था। कार्यक्रम का संचालन नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. पवन मलिक ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव दीपक शर्मा ने किया।

एमसीयू, खंडवा परिसर

शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों ने किया शिक्षकों का सम्मान

एमसीयू के कर्मवीर विद्यापीठ, खंडवा में छात्रों ने शिक्षक दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया। विद्यार्थियों ने पूरे परिसर को फूलों और रंगोली से सजाया। कार्यक्रम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, पं. माखनलाल चतुर्वेदी और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारंभ हुआ।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने अपने शक्षकों के सम्मान में कविता पाठ किया। इस मौके पर जनसंचार के विद्यार्थी प्रत्युष सिंह ने शिक्षक दिवस की महत्ता को बताते हुए सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जीवन से जुड़े पहलुओं पर प्रकाश डाला। जनसंचार के छात्र आदित्य तिवारी ने ओजपूर्ण शैली में स्वरचित कविता प्रस्तुत की। वहीं पत्रकारिता के छात्र विजय गुप्ता ने शिक्षक और विद्यार्थी के बेजोड़ सम्बंधों पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर जनसंचार के छात्र शुभम लाड़, राहुल उपाध्याय, शिखर नेगी, धीरज चतुर्वेदी, राहुल विश्वकर्मा, श्रीकांत त्रिपाठी, दिग्गंत तिवारी ने भी गुरु की महत्ता बताते हुए भाषण और कविता प्रस्तुत की।

युवा पीढ़ी सोशल मीडिया पर व्यस्त : रमेश शर्मा

आज की युवा पीढ़ी सोशल मीडिया पर अतिव्यस्त है। युवाओं को चाहिए कि वे अपना अधिकतम समय अपने माता–पिता व गुरुजनों के साथ व्यतीत करें। यह बात एमसीयू के परिसर कर्मवीर विद्यापीठ, खण्डवा में आयोजित व्याख्यान में वरिष्ठ पत्रकार श्री रमेश शर्मा ने कही। फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य व राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त श्री शर्मा ने कहा, भारत की संस्कृति पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ है।

श्री शर्मा ने चिंता जाहिर करते हुए कहा, प्राचीन समय में समाज वर्ण व्यवस्था के तहत बंटा हुआ था, लेकिन आज जिस प्रकार जातिगत मतभेद बढ़ रहा है वह चिंता का विषय है। अपने वक्तव्य में श्री शर्मा ने कहा कि मीडिया के विद्यार्थियों को नारद भक्ति सूत्रों का अनुसरण करना चाहिए।

ईमानदार पत्रकारों से लोकतंत्र जिंदा

एमसीयू के परिसर कर्मवीर विद्यापीठ में 23 सितम्बर को 'पत्रकारिता की वर्तमान समस्याएं' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख वक्ता नई दुनिया के ब्यूरो चीफ श्री उदय मंडलोई ने अपने व्याख्यान में कहा कि ईमानदार पत्रकारो से ही देश जिंदा है। पत्रकारिता यानी समस्याएं, आप अगर पत्रकारिता कर रहे हैं, तो प्रतिदिन आपको एक नई समस्या का सामना करना पड़ेगा। विद्यार्थियों को सलाह देते हुए श्री मण्डलोई ने कहा, खबर इतनी सहज होनी चाहिए कि एक सामान्य व्यक्ति को भी आसानी से समझ आ जाए।

पुस्तक विमोचन

भ्रम, प्रमाद और लोभ से दूर रहें पत्रकार : स्वामी रामनरेशाचार्य

वेद चार प्रकार के दोष बताते हैं, भ्रम, प्रमाद, आलस्य और लोभ। पत्रकारिता अपना धर्म अच्छे से तभी निभा सकती है, जब पत्रकार इन चार दोषों से दूर रहे। यह विचार 'मीडिया और उसका धर्म' विषय पर व्याख्यान में जगद्गुरु रामानंदाचार्य पद प्रतिष्ठित स्वामी श्री रामनरेशाचार्य ने रखे। स्वामी जी ने कहा, पत्रकार और नेताओं को सभी विषयों के साथ दर्शन भी पढ़ने की जरूरत है।

एमसीयू में 21 सितंबर को आयोजित व्याख्यान में स्वामी श्री रामनेशाचार्य ने कहा कि गाय पशु मात्र नहीं है, वह भारतीय संस्कृति की धुरी है। हजारों वर्षों की भारतीय परंपरा गाय के महत्त्व की गवाह है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिसचिव श्री लाजपत आहूजा ने कहा कि जहाँ दुनिया में समाचार पत्र सिकुड़ रहे हैं, वहीं भारत में संख्या बढ़ रही है। मीडिया में इस समय बदलाव का दौर है।

कार्यक्रम में डॉ. देवेन्द्र दीपक की पुस्तक गौ–उवाच का विमोचन भी किया गया। पुस्तक के लेखक एवं साहित्य अकादमी के निराला सृजनपीठ के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र दीपक ने कहा कि कवि गाय और समाज के बीच खड़ा है। उसका प्रयास गाय को लेकर समाज की सरस्वती को जगाना है। डॉ. देवेन्द्र दीपक की पुस्तक का प्रकाशन इंद्रा पब्लिशिंग ने किया है।

पुस्तक गौ–उवाच का विमोचन करते डॉ. देवेन्द्र दीपक, स्वामी रामनरेशाचार्य, कुलाधिसचिव श्री लाजपत आहूजा।

पर्यावरण अनुकूल मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं

पर्यावरण के अनुकूल प्रतिमा बनाना बहुत आसान है, प्रशिक्षण के बाद आसानी से कोई भी प्रतिमा बना सकता है। मिट्टी से बनी प्रतिमाएं पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। उत्सवों के दौरान मिट्टी की प्रतिमाओं का पूजन करना चाहिए ताकि हमारे पर्यावरण को कोई क्षति न पहुंचे।

पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाली सामाजिक संस्था नर्मदा समग्र से जुड़े श्री नवीन बोडखे ने एमसीयू के नवीन मीडिया विभाग के विद्यार्थियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया। श्री बोडखे ने विद्यार्थियों को बताया कि पीओपी से बनने वाली गणेश प्रतिमाएं पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती हैं, जबकि मिट्टी से बनी प्रतिमाएँ प्राकृतिक होने के कारण पर्यावरण के अनुकूल होती हैं।

मिट्टी के गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन एमसीयू के नवीन मीडिया विभाग की ओर से 20 अगस्त को किया गया था। कार्यशाला का उद्घाटन नवीन मीडिया विभाग की अध्यक्ष डॉ. पी. शशिकला ने किया। इस अवसर पर प्रशिक्षक नवीन बोडखे ने कहा कि प्रतिमाओं के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले रंग एवं अन्य वस्तुएं भी पर्यावरण के अनुकूल होनी चाहिए। विद्यार्थियों ने कार्यशाला में भगवान गणेश की सुन्दर प्रतिमाएं बनाकर उन्हें प्राकृतिक रंगों से सजाया। गणेश प्रतिमाओं को स्टॉल लगाकर प्रदर्शन और विक्रय के लिए रखा गया। मिट्टी की कलात्मक और मनमोहक गणेश प्रतिमाओं को सभी लोगों ने बेहद पसंद किया।

समीक्षा

न भूलेंगे-न बिसरेंगे

एमसीयू द्वारा मध्यप्रदेश की पत्रकारिता की छह महान विभूतियों पर केन्द्रित पुस्तक''न भूलेंगे–न बिसरेंगे''का प्रकाशन किया है।

इस महत्वपूर्ण पुस्तक में राष्ट्रवादी पत्रकारिता के पुरोधा श्री ओम प्रकाश कुन्द्रा, पत्रकारिता के प्रज्ञा पुरूष श्री मदन मोहन जोशी, शब्दो के जादूगर श्री काशीनाथ चतुर्वेदी, मालवा के दबंग व जुझारू पत्रकार श्री जवाहरलाल राठौड़, कर्मवीर से पत्रकारिता शुरू करने वाले श्री बनवारी लाल बजाज और स्वतंत्रता आंदोलन के पुरोधा श्री सूर्यनारायण शर्मा के व्यक्तित्व–कृतित्व को समाहित किया गया है। इस पुस्तक का सम्पादन कुलधिसचिव श्री लाजपत आहूजा ने किया है।

पाकिस्तान मीडिया स्कैन

पाकिस्तान के अंग्रेजी और उर्दू भाषा के समाचार–पत्रों में भारत के बारे में प्रकाशित समाचारों को संकलित कर पाकिस्तान मीडिया स्कैन पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

इस पत्रिका के मार्च 2017 के अंक में उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की विजय तथा उसके दीर्घगामी प्रभावों से संबंधित पाकिस्तान की आशंकाओं से जुड़े आलेखों को स्थान दिया गया है। पाकिस्तान के पत्रों में उत्तर प्रदेश के नव नियुक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर केन्दित अनेक लेख और समाचार प्रकाशित हुए हैं। साथ ही जल बंटवारे, पनडुब्बी सौदे, पाक–चीन संबंधो पर केन्दित समाचार प्रमुखता से प्रकाशित हुए हैं ।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के लिए संबद्ध अध्ययन संस्थाएँ विभाग द्वारा संपादित एवं प्रकाशित
आकल्पन : नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग
संरक्षक : प्रो. बृजकिशोर कुठियाला ▪संपादक : दीपक शर्मा, डॉ. राखी तिवारी

संपर्क : बी-38 विकास भवन, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर,भोपाल (म.प्र.) फोन : 0755-2574531 ई-मेल mcunews11@gmail.com